हिंदी विभाग

क्योटो सान्यो विश्वविद्यालय जापान की ओर से प्रति वर्ष सांस्कृतिक आदान-प्रदान हेतु जापान के छात्र भारतीय संस्कृति के अध्ययन करने आते हैं उन्हें ३० सितम्बर २०१५ से ११ सितंबर, २०१५ के बीच डॉ. अनिल ढवळे और डॉ.जयश्री सिंह ने व्याख्यान दिए।

विभाग द्वारा स्व रचित काव्य पाठ दि. १४ सितंबर हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। लगभग पचास छात्रों ने इसमें भाग लिया।

विभाग हिंदुस्तानी प्रचार सभा का केंद्र चलाता है। इस वर्ष विभाग ने स्वयं की इच्छा से मृत्यु वरण का अधिकार इस विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया यह कार्यक्रम २ दिसंबर,२०१५ के दिन संपन्न हुआ। इसमें लगभग चालीस छात्रों ने भाग लिया।

विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया , जिसका विषय था ज़हिंदी नाटक परिचय : आषाढ़ का एक दिन य यह कार्यक्रम ८ दिसंबर, २०१५ के दिन संपन्न हुआ। इस कार्यशाला के लिए विशेष अतिथि के रुप में डॉ. वसुधा सहस्रबुद्धे उपस्थित थीं। उन्होंने दो व्याख्यान दिए।

विभाग ने विशेष कार्यक्रम 'अंतर महाविद्यालयीन मिर्ज़ा ग़ालिब सस्वर' ग़ज़ल प्रतियोगिता का आयोजन किया। हिंदी विभाग एवं मेन साना मोनोग्राफ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थी तथा प्राध्यापक दोनों ने हिस्सा लिया।

प्राध्यापकों की श्रेणी में शेख अब्दुल हनीफ प्रथम क्रमांक, रजा रौनक अब्दुर रेहमान द्वितीय और अंसारी अब्दुल माजिद तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। छात्रों की श्रेणी में इंद्रजीत सिंह गिल प्रथम, अंसारी यास्मीन द्वितीय और सैयद हुमैरा मो. अली तीसरा क्रमांक हासिल किया। यह प्रतियोगिता दिनांक १० फरवरी २०१६ के दिन संपन्न हुई। इस प्रतियोगिता को सफल बनाने हेतु डॉ. अजय सिंह, संस्थापक मेंस साना मोनोग्राफ्स ने मार्गदर्शन किया और प्रोत्साहित भी किया। निर्णायक गणों के रूप में ज़नाब अब्दुल अहद 'साज' तथा ज़नाब इरफ़ान जाफ़री जी ने योगदान दिया।

विभाग द्वारा शैक्षणिक यात्रा हेतु पुणे स्थित शनिवार वाड़ा को दि.२० फ़रवरी, २०१६ के दिन भेंट करायी गयी। विभाग के पच्चीस छात्रों एवं दोनों प्राध्यापकों ने इसका आयोजन किया।

विभाग ने एम. ए. भाग दो एवं तृतीय वर्ष कला हिंदी के छात्रों को बिदाई देने हेतु दि. ३१ मार्च,२०१६ के दिन कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें छात्रों ने विभाग के प्रति लगाव एवं आत्मीयता की अभिव्यक्ति दी।

डॉ. जयश्री सिंह को इस वर्ष मुंबई विश्वविद्यालय द्वारा एम. ए. भाग - १ के द्वितीय सत्र के लिए परीक्षक के रूप में निमंत्रित किया गया। उन्होंने २४ जून से २९ जून, २०१५ तक पेपर - ७ का जाँचकार्य किया। जुलाई माह में कृष्णा अग्निहोत्री की आत्मकथा : और.. और.. औरत एक अनुशीलन इस विषय पर ज्ञान प्रकाशन, कानपुर द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'हिंदी आत्मकथाएँ : सन्दर्भ एवं प्रकृति' (प्रथम, २०१५ ; ISBN - ९७८-९३-८०६६९-४९-६) में उनका शोध प्रपत्र प्रकाशित हुआ। १८ अगस्त, २०१५ के दिन आर. के. तलरेजा महाविद्यालय, उल्हासनगर द्वारा आयोजित द्वितीय वर्ष हिन्दी के पेपर २ और ३ के पाठ्यक्रम संबंधी कार्यशाला में उन्होंने हिस्सा लिया। १४ अगस्त, २०१५ के दिन कल्याण के बिर्ला महाविद्यालय द्वारा 'भगवानदास मोरवाल का साहित्य' इस विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागी हो कर भगवान दास मोरवाल के साहित्य में समाज इस विषय प्रपत्र प्रस्तुत किया। सितम्बर माह में हरिवंश राय बच्चन की मिलनयामिनी में श्रृंगार इस विषय पर श्रीमती मणिबेन एम. पी. शाह महिला महाविद्यालय, मुंबई से प्रकाशित पत्रिका 'CONCEPT' (Multisciplinary peer reviewed journal; valume - I, Issue - I : ISSN - २३९४-८९२२) में उनका शोध प्रपत्र प्रकाशित हुआ। नवंबर माह में पूर्वोत्तर भारत के जनजाति की लोककथाओं में सूर्य - चंद्र इस विषय पर अखिल भारतीय साहित्य परिषद् न्यास, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'पूर्वोत्तर राज्यों का लोकसाहित्य' (प्रथम, २०१५ ; ISBN - ९७८-९३-८१८२९-०७-३) में उनका शोध प्रपत्र प्रकाशित हुआ। २७ - २८ नवंबर, २०१५ को बिर्ला महाविद्यालय, कल्याण द्वारा आयोजित द्विदिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में विश्वपटल पर हिन्दी इस विषय पर उन्होंने अपना शोध प्रपत्र प्रस्तुत किया तथा उनका यह प्रपत्र संगोष्ठी की संचयिता हिन्दी का वैश्विक संदर्भ (ISBN - ९७८-९३-८०६६९-६०-१) में प्रकाशित भी हुआ। उन्हें बिर्ला महाविद्यालय द्वारा इस संचयिता के संपादक मंडल में सदस्य के रूप में भी आमंत्रित किया गया। उन्हें महाविद्यालय के वार्षिक उत्सव 'नवरंग - २०१५' के Personality contest में निर्णायक के रूप में आमंत्रित किया गया तथा उन्होंने 'लघुफिल्म प्रतियोगिता' का मुख्य कार्यभार भी

संभाला। साहित्यिक, सांस्कृतिक शोध संस्था, उल्हासनगर द्वारा उन्हें एम. ए. भाग - २ की मौखिकी के लिए ३ जनवरी २०१६ के दिन परीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया। ८ - ९ जनवरी, २०१६ को जोशी - बेडेकर महाविद्यालय, ठाणे द्वारा आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में नारी तेरी कहानी फिल्मों की जबानी इस विषय पर उन्होंने अपना शोध प्रपत्र प्रस्तुत किया तथा उनका यह प्रपत्र संगोष्ठी की संचयिता भारतीय सिनेमा : कल, आज और कल (ISBN - ९७८-८१-९२२७४१-५-७) में प्रकाशित भी हुआ। उन्होंने इस संचयिता के संपादक मंडल में सदस्य के रूप में भी कार्य किया। उन्हें तृतीय वर्ष कला के पेपर ५ के मार्गदर्शन के लिए २५ जनवरी एवं १ फरवरी, २०१६ को बिर्ला महाविद्यालय, हिन्दी विभाग द्वारा अतिथि व्याख्याता के रूप में आमंत्रित किया गया। उन्हें महाविद्यालय के अंतरमहाविद्यालयीन वार्षिकोत्सव 'गन्धर्व - २०१६' के 'बॉलीवुड किज प्रतियोगिता' में निर्णायक के रूप में आमंत्रित किया साथ ही उन्होंने इस प्रतियोगिता का कार्यभार भी संभाला। मुंबई विश्वविद्यालय में पूर्वोत्तर भारत का आदिवासी समाज : लोककथाएँ एवं लोकगीत इस विषय पर प्रेषित किया गया उनका Minor Research Project प्रस्ताव दिनांक ५ फरवरी २०१६ के पत्रानुसार ३१,०००/- रुपयों के अनुदान के साथ पारित हुआ। उन्होंने २२ - २३ फरवरी, २०१६ को मुंबई के एम. डी. महाविद्यालय द्वारा 'इक्कीसवी सदी की हिन्दी कहानी : विचार, चेतना और विमर्श' इस विषय पर आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागी हो कर मंच का सञ्चालन किया। उन्होंने २८ - २९ मार्च, २०१६ को मुंबई विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा 'डॉ. आंबेडकर की विचारधारा और वैश्विक संदर्भ' इस विषय पर आयोजित द्विदिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागी हो कर मंच का सञ्चालन किया। इस वर्ष उन्होंने महाविद्यालय की परीक्षाफल समिति, व्याससभा समिति एवं वार्षिक पत्रिका 'युवाशिल्प' में सदस्य के रूप में कार्य किया।

डॉ. अनिल ढवळे
विभागप्रमुख